हरिभूमि
शौर्य भूमि
5
जबलपुर, मंगलवार 16 जुलाई 2024
login : www.haribhoomi.com
मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

खबर संक्षेप

अन्विति गुप्ता ने सीए परीक्षा की उत्तीर्ण

मंडला । अन्विति गुप्ता सीए परीक्षा उत्तीर्ण कर जिले का नाम गौरवांवित किया है। अन्विति ने इंस्टीयूट ऑफ चार्टर एकाउंटेटस ऑफ इंडिया की सीए परीक्षा उत्तीर्ण कर जिले को गौरवांवित किया है। अन्विति गुप्ता ने अपनी स्कूल की शिक्षा केन्द्रीय विद्यालय मंडला से की है। अन्विति सीए के लिए आर्टिकलशिप पूना में अध्ययन कर रही थी। अन्विति रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंडला के वाणिज्य प्रध्यापक एवं चेयरमेन बोर्ड ऑफ स्ट्डज, वाणिज्य संकाय की सुपुत्री है। अन्विति की इस सफलता पर परिजनों, मित्रों और परिचितों ने शुभकामनाएं बधाई दी है।

108 श्री समता सागर जी ससंघ का व्रतीनगरी पिंडरई आगमन 17 को

पिंडरई। पिंडरई मंडला व्रती नगरी में पूज्य आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी की अनुकंपा एवं अभिनव आचार्य 108 समय सागर जी के आशीर्वाद से इस वर्ष व्रती नगरी पिंडरई को पंचम निर्यापक पूज्य मुनिवर 108 श्री समता सागर जी ससंघ का पावन वर्षा योग कराने का सौभाग्य मिला है। जिसके लिए पूज्य मुनिवर का ससंघ नगर प्रवेश 17 जुलाई को दोपहर करीब 01 बजे होगा। पूज्य मुनिवर की आगवानी भव्य रूप से करने की तैयारी की जा रही है। सकल दिगम्बर जैन समाज व्रतीनगरी पिंडरई ने सभी लोगों को इस पावन अवसर पर मुनिवर की आगवानी में शामिल होने का आग्रह किया है।

दंत रोग के 15 बच्चों का हुआ उपचार

मंडला। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं दी जाती है। जिससे पीड़ित बच्चे निरोगी हो और एक स्वस्थ्य समाज एवं उज्जवल भविष्य का निर्माण हो। इसी उद्देश्य से आरबीएसके अंतर्गत जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र, जिला चिकित्सालय मंडला में सोमवार को बीजाडांडी ब्लाक के माध्यमिक शाला धनवाही के 15 बच्चों के दंत रोग संबंधी जांच परीक्षण के बाद उपचार किया गया। जिसमें दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. रानी मरावी ने बच्चों का परीक्षण कर उपचार किया।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम जिला समन्वयक अर्जुन सिंह ने बताया कि कुछ नवजात शिशुओं में जन्म से जन्मजात विकार हो जाते है। जिसका समय पर उपचार मिलने पर वह ठीक भी हो सकते है। ऐसे ही नवजात में जन्म से जन्मजात ठेढे मेढे तिरछे पैर नवजात शिशुओं में होते है। जिनका सही समय में उपचार होने से उनकी यह समस्या दूर हो जाती है। उन्होंने बताया कि ब्लाक बीजाडांडी से आरबीएसके चिकित्सक डॉ. ललित चर्तुवेदी ने अपने क्षेत्र से दंत रोग से संबंधी 15 बच्चों को चयनित कर जिला चिकित्सालय मंडला लाया गया। यहां इन बच्चों का जांच परीक्षण कर उपचार किया गया। यहां दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. रानी मरावी ने चयनित 15 बच्चों का परीक्षण कर उपचार किया।

बिजली की आंख मिचौली से परेशान ग्रामीण

बिजली गुल से मवई में बढ़ जाती है परेशानी

फाल्ट के नाम पर दिनभर रहता है विद्युत प्रवाह बाधित

ग्राम धनगाव से विद्युत सप्लाई देने की मांग

मंडला। जिले के अंतिम छोर में बसे वनांचल आदिवासी बाहुल्य विकासखंड मवई मूलभूत सुविधाओं के तरस रहा है। यहां कई ग्रामीण अचंल विकास की राह देख रहे है, लेकिन ये इन ग्रामीणों के लिए एक सपनें जैसा ही है, आंख खुली और सपना टूटा जाता है। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र मवई की यह बदकिस्मती ही है कि आजादी के वर्षो बाद भी यहां के वनांचल निवासी मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे है। बिजली, पानी और सड़क जैसी सुविधाएं आज भी कई वनांचल, दूरांचल क्षेत्रों में नहीं है। जिससे ग्रामीणों को परेशान होना पड़ रहा है। इस आधुनिक युग में भी लोग सुविधाओं को तरस रहे है।

जानकारी अनुसार मवई ब्लाक के ग्रामीण आज भी बिजली की आंख मिचौली से परेशान है। जिले के छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे ग्रामो में 24 घंटे बिजली मिलना भगवान के वरदान जैसा है, लेकिन मवई क्षेत्र को रोशन करने वाली बिजली विद्युत उपकेन्द्र कुड़ेला से आती है। करीब 34 किलोमीटर बिजली तार जंगलों से होते हुए मवई क्षेत्र को रोशन करता है। ग्रामीणों ने बताया कि विद्युत उपकेन्द्र कुड़ेला से लेकर अंतिम छोर तक कही भी खराबी आने पर पूरे क्षेत्र की बिजली बंद हो जाती है और बिजली विभाग को फाल्ट पता कर सुधारने में घंटो समय लग जाता है। कभी कभी तो कुछ ग्रामो में 4 से 5 दिन तक बिजली नहीं पहुंच पाती है। प्रशासन और जिम्मेदारो को ग्रामीणों की इस समस्या से कोई लेना देना नहीं है।

व्यापार पर पड़ता है असर

ग्रामीणों ने बताया कि इस वर्ष पूरे गर्मी के मौसम में मवई और उसके आसपास के दर्जनों ग्रामों में बिजली सप्लाई प्रभावित रही। यहां रात भर बिजली गुल रहती है। हवा बारिश और तूफान के बाद दो-दो दिन तक बिजली नहीं आती है। जिसके कारण यहां जहरीले जीव, जंतुओं को खतरा बना रहता है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और यहां व्यापार करने वाले व्यापारी भी अपना व्यापार नहीं कर पाते। इसके साथ ही बिजली से जुड़े व्यवसाय इस दौरान बंद रहते है। ऑनलाइन वर्क नहीं हो पाते है। जिसके कारण पूरे क्षेत्र की जनता को समस्या उठानी पड़ रही है।

धनगांव के पास से दी जाए विद्युत सप्लाई

ग्रामीणों ने बताया है कि मवई के लिए विद्युत सप्लाई कुड़ेला से दी गई है, जो करीब 34 किलोमीटर की दूरी में है। इसी बीच जंगल भी है। यदि जंगल में विद्युत फाल्ट आ जाता है तो उसे तलाशने में बिजली विभाग को काफी मसक्कत करनी पड़ती है। जंगल में आकाशीय बिजली गिर जाने से उपकरण खराब भी हो जाते है। जिसके सुधार में समय लग जाता है। गर्मी और बरसात के मौसम में बिजली सप्लाई प्रभावित होती रहती है। यहां घुटास के पास से बिजली सप्लाई होने से दूरी कम हो जाएगी, जिससे लाइन लॉस और मेंटनेंस कम हो जाएगा। ग्रामीणों ने कहां कि यदि ग्राम धनगांव के पास से विद्युत लाइन को जोड़ा जाए तो मवई क्षेत्र में बिजली सप्लाई बाधित की समस्या कम हो जाएगी।

विटामिन और मिनरल्स से भरपूर है जंगली खाद्य पदार्थ पुटपुटा

साल के जंगल में जमीन पर गिरे साल के सूखे पत्ते के नीचे मिलता है पुटपुटा

अन्य सब्जियों से ज्यादा स्वादिष्ट होता है पुटपुटा पुटपुटा वनस्पतिक जंगली औषधि के रूप में भी आता है काम

मंडला।

मवई में वृहत स्तर पर फैले साल के इस जंगलो में मिलने वाले पुटपुटा की सब्जी बनाई जाती है। वहीं इस पुटपुटा बोड़ा का महानगरों में हजार रूपए से अधिक कीमत में बेचा जाता है। इस पुटपुटा में भरपूर मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और खनिज तत्व पाये जाते हैं, जो कि इसे पौष्टिक बनाते हैं। वहीं मंडला जिले में महंगी सब्जियों की बात करें तो साल के जंगलों में मिलने वाला पुटपुटा और जिले के अन्य क्षेत्रों से आने वाली पिहरी का नाम सबसे ऊपर आता है। वर्ष भर में करीब डेढ़ माह मिलने वाला पुटपुटा अब मंडला मवई के जंगलों में खूब निकल रहा है। मवई क्षेत्र में पुटपुटा की कीमत कम ही है, यहां गावों में ये करीब 300 रुपये किलो, तो आसपास के क्षेत्रों में 400 से 500 रूपए किलो, वहीं शहर में पहुंचकर इसकी कीमत करीब 600 रुपये हो जाती है। इसके बाद यही पुटपुटा जब महानगरों में पहुंचता है तो इसकी कीमत दो गुनी और तीन गुनी हो जाती है। जहां एक हजार रूपए किलो से अधिक होती है।

जानकारी अनुसार साल के जंगलो में पुटपुटा को खोजने वनवासियों का रूख जंगलो की तरफ है। पुटपुटा वनस्पतिक रूप से फफूंद की श्रेणी में आता है। यह अक्सर बिजली के तेज चमक के साथ वर्षा ऋतु के आगमन पर साल के वृक्ष के नीचे गर्म धरती से बाहर आता है। खाने में बड़ा ही स्वादिस्ट होता है काले, भूरे व सफ़ेद रंग का यह पाया जाता है बाहर का भाग कठोर व काला व भूरा होता है जबकि इसकी भीतरी भाग सफेद व पीली रंग की होती है जो की बहुत ही मुलायम होती है, कुछ लोगो का कहना है की यह अन्य सब्जियों से भी ज्यादा स्वादिष्ट होता है। ग्रामीण अक्सर प्रातः इसे खोजने के लिये जंगल जाते है। बाजार में इसकी बहुत डिमांड होती है, बाहर के व्यापारी प्रायः ग्रामीणों से इसे मनमाने दामों में खरीदते है और महानगरों में इसे 600 से लेकर 1000 रूपए प्रति किलो की दर से बेचते है। वहीं इस पुटपुटा में मिनरल व विटामिन भरपूर मात्रा में पाए जाने के कारण यह बहुत सी बीमारियों से लडने के लिये भी रामबाण साबित होता है। पुटपुटा वनस्पतिक जंगली औषधि के रूप में भी काम आता है।

आदिवासियों, ग्रामीणों की खोज है पुटपुटा

बता दे कि मंडला जिले के अंतिम छोर में बसा वनांचल क्षेत्र मवई अपने साल के जंगलों के नाम से जाना जाता है। यहां वृहद रूप में साल के जंगल फैले हुए है। इसी साल के जंगलों में पुटपुटा बोड़ा मिलता है, इस साल के जंगल में मिलने वाला पुटपुटा को यहां के स्थानीय आदिवासियों, ग्रामीणों ने नाम दिया है। अलग- अलग क्षेत्रों में इसे अलग- अलग नाम से जाना जाता है। जमीन के अंदर से मिलने वाली सब्जी की खोज आदिवासियों की ही है। वनोपज पर निर्भरता के कारण वनवासी यहां पैदा होने वाले हर खाद्य पदार्थ के बारे में जानते हैं। पुटपुटा भी उन्ही में से एक है। पुटपुटा दरअसल एक फंगस है। वैज्ञानिकों ने इसका बॉटिनिकल नाम शोरिया रोबुस्टा रखा है।

एक फंगस है पुटपुटा

साल के जंगल में जब पहली बरसात से मिट्टी भीगती है और उसके बाद जो पहली उमस पड़ती है, तब साल के जंगलों में लगे साल वृक्ष की जड़ एक खास तरह का द्रव छोड़ते है, फिर जमीन पर गिरे साल के सूखे पत्ते के नीचे ये फंगस बनता है, जिसे पुटपुटा और अन्य क्षेत्रों में बोड़ा कहते हैं। आदिवासी इसे किसी भी लकड़ी की मदद से जमीन से सुरक्षित बाहर निकालते हैं। जिसके बाद इसका उपयोग स्वंय खाने और अपनी आमदनी के लिए बाजार में विक्रय करते है।

इतना महंगा क्यों

अब सवाल ये आता है कि अगर ये फंगस ही है तो इतना महंगा क्यों है. बोड़ा दरअसल पूरी तरह से प्राकृतिक उत्पाद है। इसकी खेती नहीं की जा सकती, ये अपने आप ही पैदा होता है और खास तरह की परिस्थिति में, वैसे ये आदिवासियों को मुफ्त में ही मिलता है और आप खुद साल के जंगलो में चले जाएं तो ये आपको भी मुफ्त में ही मिल सकता है, लेकिन कड़ी मेहनत के बाद क्योंकि ये फंगस है इसलिए वजन में काफी हल्का होता है। किसी भी चीज की कीमत उसकी डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करती है, तो बोड़ा का स्वाद इसकी बड़ी डिमांड की सबसे बड़ी वजह है। वर्ष के कुछ दिन ही उसका कठिनाई से मिलना और वजन में कम होना, इसकी कीमत को बढ़ा देता है। गांव में इसकी कीमत करीब 300 रुपये किलो तक रहती है, तो करीबी शहर में यही 600 रुपये किलो से अधिक में बिकता है। जबकि महानगरों तक पहुंच कर इसकी कीमत कई गुना बढ़कर करीब 2 हजार रुपये किलो तक चली जाती है।

पोषण से भरपूर और बीमारियों में सहायक है

पुटपुटा में भरपूर मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और खनिज तत्व पाये जाते हैं, जो कि इसे पौष्टिक बनाते हैं। वहीं कुपोषण, दिल और पेट के रोगों में भी ये फायदेमंद माना जाता है, इसलिए ये पुटपुटा जंगल पर निर्भर रहने वाले ग्रामीणों के भोजन का वर्षो से एक हिस्सा बना हुआ है। हालांकि अब पुटपुटा महानगरों तक पहुंच गया है। जहां लोग इसे बड़े ही शौक से खाते है। ग्रामीण पहली बरसात के बाद पुटपुटा को एकत्र करने जंगलो में जाते हैं, इसके बाद वह कुछ अपने लिए रख लेते हैं और बाकी बाजार में बेच देते है। इससे उन्हें भोजन भी मिलता है और अच्छी खासी आमदानी हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि पुटपुटा से भोजन और पैसा दोनों मिल जाता है।

एनएच 30 में मंगली पंडरीपेड़ क्षतिग्रस्त पुल की मरम्मत शुरू

मंडला। जबलपुर रायपुर नेशनल हाईवे 30 में मंगली और चिल्फी के बीच बना पुल विगत दिवस क्षतिग्रस्त हो गया। जिसके बाद इस मार्ग से आवाजाही पूर्णतः बंद करा दी गई है। मरम्मत कार्य पूर्ण होने तक यहां से गुजरने वाले सभी वाहनों का मार्ग डायवर्ट कर दिया गया है। जिसके बाद अब यहां से जाने वाले सभी भारी, छोटे और बड़े वाहन डायवर्ट मार्ग से जा रहे है। पुल के मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। जल्द ही कार्य पूर्ण हो जाएगा और आवाजाही शुरू की जाएगी।

जानकारी अनुसार मंगली-चिल्फी के मध्य पुल में सुधार कार्य होने के

कारण मार्ग को कार्य पूर्ण होने तक के लिए पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है। प्रतिबंधित अवधि में इस मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। जिला प्रशासन द्वारा जनसामान्य से परिवर्तित मार्ग के उपयोग करने की अपील की गई है। बताया गया कि मंडला जिले में नेशनल हाईवे 30 पर थाना मोतीनाला अंतर्गत मंगली से चिल्फी के बीच एक पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। यह पुल मंडला जिला मुख्यालय से करीब 90 किमी दूर छत्तीसगढ़ सीमा के नजदीक है। पुल के क्षतिग्रस्त होने से छत्तीसगढ़ को जोडने वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग पर आवाजाही पूरी तरह बंद कर दी गई है। बताया गया कि जिला प्रशासन ने पुल की मरम्मत कार्य पूर्ण होने तक इस मार्ग से सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। आवाजाही के लिए वैकल्पिक मार्ग बताया गया है, जिससे आवाजाही में परेशानी का सामना ना करना पड़े। पुल की रिपेयरिंग होने तक एनएच 30 के बजाय वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की अपील प्रशासन नेइ की है।

एडीएम राजेन्द्र सिंह ने बताया कि पुल की रिपेयरिंग के साथ ही नजदीक एक डायवर्सन मार्ग बनाने का काम भी चल रहा है और उम्मीद जताई जा रही है कि अगले दो दिन में डायवर्सन मार्ग बन कर तैयार हो जाएगा। जिसके बाद इस मार्ग से यातायात प्रारम्भ होने की संभावना है। जब तक यहां से गुजरने वालों के लिए वैकल्पिक मार्ग बताया गया है। बताया गया कि तीन वैकल्पिक मार्ग बनाकर पुलिस के पॉइंट लगा दिए गए हैं। जिससे वाहन चालकों को परेशानी ना हो।

शिक्षा और स्वास्थ्य का लाभ लोगों को मिले इसलिए इस क्षेत्र में बेहतर कार्य करें

'एक पेड़ माँ के नाम' इस अभियान में सभी नागरिकों की सहभागिता करें - मंत्री संपतिया उइके

योजना भवन में खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल की बैठक संपन्न हुई

मण्डला।

शिक्षा और स्वास्थ्य लोगों की मूलभूत आवश्यकता है, इसलिए इस क्षेत्र में बेहतर ढंग से कार्य करें। जिससे शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में संचालित योजनाओं व उद्देश्यों को पूरा किया जा सके और इसका लाभ जिलेवासियों को मिल सके। प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके सोमवार को जिला योजना भवन सभाकक्ष में आयोजित खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल (डीएमएफ) की बैठक को संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर विधायक बिछिया नारायण सिंह पट्टा, विधायक निवास डॉ. चैनसिंह वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगर पंचायत मंडला अध्यक्ष विनोद कछवाहा, कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट सहित विभागीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे। मंत्री संपतिया उइके ने न्यास खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास हेतु प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना और शासन द्वारा जारी निर्देशों के तहत योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए। जिसमें उच्च प्राथमिकता के क्षेत्र में 60 प्रतिशत निधि का उपयोग पेयजल, पर्यावरण संरक्षण तथा प्रदूषण नियंत्रण के उपाय, स्वास्थ्य कल्याण, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, वृद्ध एवं निःशक्तजन कल्याण, कौशल विकास एवं स्वच्छता तथा अन्य प्राथमिकता के क्षेत्र में तथा 40 प्रतिशत निधि का उपयोग भौतिक अवसंरचना, सिचाई, ऊर्जा एवं वाटरशेड विकास, खनन जिलों में पर्यावरण गुणवत्ता की बढ़ौतरी हेतु खर्च किए जा सकेंगे। उन्होंने उक्त राशि का समुचित सदुपयोग करने के निर्देश दिए हैं, जिससे इन योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाया जा सके।

मंत्री संपतिया उइके ने कहा कि जिले के भवन विहीन स्कूल व आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए नवीन भवन का निर्माण करें, जिससे छात्र-छात्राओं को पक्का भवन वाला स्कूल व आंगनवाड़ी केन्द्र मिले और वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सके। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने क्षतिग्रस्त स्कूल व आंगनवाड़ी केन्द्रों को भी चिन्हित कर इनकी सूची प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, जिससे उपयोग करने लायक स्कूल व आंगनवाड़ी केन्द्रों का मरम्मत कर उपयोग में लाया जा सके। उन्होंने नगर पंचायत क्षेत्रों के आंगनवाड़ी केन्द्रों की भी समीक्षा की। नगर पंचायत क्षेत्र में भी आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए नवीन भवन का निर्माण करने के निर्देश दिए। नगर पंचायत क्षेत्रों में आंगनवाड़ी भवन निर्माण हेतु भूमि आवंटन का प्रस्ताव निर्धारित समय सीमा में भेजने को कहा गया। आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण हेतु भूमि प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला परिसर के समीप ही आवंटित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपूर्ण पड़े स्कूल भवन, आंगनवाड़ी केन्द्र एवं अन्य निर्माण भवनों के कार्यों को पूर्ण करने को कहा, जिससे जिले में किसी भी भवन का निर्माण कार्य अपूर्ण न रहे। उन्होंने आंगनवाड़ी केन्द्रों, स्कूलों और स्वास्थ्य केन्द्रों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थलों तक पहुंचने के लिए सड़क मार्ग को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। जिससे उक्त स्थलों तक नागरिकों को पहुंचने में किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो।

मंत्री संपतिया उइके ने कहा कि प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण करने का अभियान प्रारंभ है। वृक्षारोपण का यह कार्य पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल है। उन्होंने बताया कि इस अभियान को लेकर लोगों में जमकर उत्साह है। इस अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को अपने मां के नाम से वृक्षारोपण करना चाहिए। उन्होंने इस अभियान में जिले के सभी नागरिकों की सहभागिता करने के निर्देश दिए। मंत्री संपतिया उइके ने जल संरक्षण के लिए भी विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में निर्माण किए गए बांध एवं स्टॉप डेमों में बरसात के बाद जल रोकने का कार्य करें। बरसात के बाद बांध व स्टॉप डेमों से पानी व्यर्थ न बहने दें। बांध व स्टॉप डेमों के गेटों में शटर अनिवार्य रूप से लगाए जाएं इसके लिए ग्राम पंचायतों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने को कहा गया। मंत्री संपतिया उइके ने बैठक में डीएमएफ-ए और डीएमएफ-बी के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि जिले में वित्तीय वर्ष 2023-24 के डीएमएफ-ए के कार्यों का विवरण में शिक्षा के क्षेत्र में 2 करोड़ 9 लाख, स्वास्थ्य के क्षेत्र में 1 करोड़ 30 लाख, भौतिक अवसंरचना/सड़क संपर्क के क्षेत्र में 1 करोड़ 39 लाख व विविध क्षेत्र में 27 लाख रूपए तथा डीएमएफ-बी के तहत रंगमंच निर्माण/देवालय के क्षेत्र में 38 लाख, भौतिक अवसंरचना/खेल मैदान निर्माण के लिए 41 लाख रूपए आवंटित किए गए थे। जिले में वित्तीय वर्ष 2024-25 में डीएमएफ-ए के लिए विस्तृत कार्ययोजना के तहत शिक्षा के क्षेत्र में 2 करोड़ 50 लाख, स्वास्थ्य के क्षेत्र में 50 लाख, भौतिक अवसंरचना/सड़क निर्माण के क्षेत्र में 1 करोड़ व विविध क्षेत्र में 46 लाख रूपए आवंटित किए जाएंगे।

कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि का उपयोग हेतु जिला स्तर पर कार्यों का प्रस्ताव तैयार कर किया जाएगा। तैयार प्रस्तावों को राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। एक करोड़ से कम की परियोजना के लिए प्रशासकीय स्वीकृति जिला स्तर पर तथा एक करोड़ से अधिक के मूल्य के परियोजना की स्वीकृति राज्य स्तर पर भेजी जाएगी। जिला स्तर पर प्राप्त अनुमतियां, परियोजना रिपोर्ट तकनीकि स्वीकृति के आधार पर जिला खनिज प्रतिष्ठान प्रशासकीय स्वीकृति आदेश जारी करेगा। उन्होंने इसके लिए समस्त जनप्रतिनिधियों से प्रस्ताव 20 जुलाई तक अनिवार्य रूप से भेजने के निर्देश दिए हैं। आयोजित बैठक में विधायक नारायण सिंह पट्टा, विधायक डॉ. चैनसिंह वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम और नगर पंचायत मंडला अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने भी अपने-अपने प्रस्ताव रखे।

खबर संक्षेप

दम तोड़ रही युवाओं के लिए चलाई जा रही योजनाएं

गाडरवारा। जहां एक ओर प्रदेश की सरकार द्वारा शिक्षित बेरोजगारो को रोजगार मुहैया कराने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि यह योजनाएं बैंको की मनमानी के चलते दम तोड़ रही है? गौर किया जावे तो अनेक रोजगार मूलक योजनाओं के आंकड़े बेहद चौकाने वाले है जो हर वर्ष बैंको की हठधर्मी की वजह से योजनाओं के लक्ष्य की पूर्ति नही हो पा रही है? ऐसे में युवा की जिन्दगी संभालने के लिये चलाई जाने वाली योजनाओं के नाम पर खुद को छला महसूस कर रहे है। स्वरोजगार पाने की खातिर अनेक युवा बैंको के चक्कर काट काट कर परेशान होकर थक गये है, वही दूसरी ओर देखा जावे तो शिक्षित बेरोजगारो की उम्मीदे दम तोड़नें लगी है? बैंको द्वारा सहयोग नहीं किये जाने से विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत ऋण प्रकरणो में से आाधे हितग्राही भी लाभांवित नही हो पाते, बैंको में स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरण भेजने के बाद वहां से शिक्षित बेरोजगारो को ऋण मिलना टेडी खीर साबित हो रहा है? युवाओं द्वारा स्वरोजगार योजनाएं के लिए दिये गये आवेदन के संबंध में जब संबंतिध अधिकारियों से चर्चा की जाती है तो वहां पर बताया जाता हे कि उनके द्वारा प्रकरण तैयार करते हुए बैकों में भेज दिया गया है, मगर बैको में अधिकारी बात करने के लिए भी तैयार नही होते है, जिसके चलते प्रदेश की सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं लगातार फेल होती हुए जान पड़ रही है? सही मायने में देखा जावे तो युवाओं को लेकर सरकार द्वारा योजनाये संचालित करते हुये उन्हें पैरों पर खड़े करने की बात तो कही जाती है मगर वह मात्र एक औपचारिकता पूर्ण साबित होने से नही चूक पाती है।

स्कूल के समय भारी वाहनों पर नो एन्ट्री लगाये जाने की मांग

सांईखेड़ा। जहां एक ओर सांईखेड़ा क्षेत्र में लगातार विकास की बात तो आये दिन होते हुए सुनी जा रही है। मगर नगर की प्रमुख समस्या को लेकर आज तक निजात दिलाने की ओर किसी भी प्रकार की पहल नही होना जहां क्षेत्र में लगातार हो रहे विकास के कार्यो पर प्रश्न चिन्ह लगते हुए देखा जा रहा है? आये दिन जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है, वही दूसरी ओर बाजार के दिन तो यह हाल होता है कि लोगों का निकलना ही मुश्किल हो जाता है। इस सच्चाई को देखते हुए बीते लम्बे समय से लोगों द्वारा सांईखेड़ा में वायपास मार्ग की मांग की जा रही है, मगर इस ओर किसी भी जिम्मेदार द्वारा ध्यान नही दिये जाने के कारण जहां आम लोगों के लिए खतरा पैदा हो रहा है, वही दूसरी ओर किसी दिन कोई बड़ी घटना की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है? इस प्रकार से नगर के मुख्य मार्ग से निकलने वाले भारी भरकम वाहनों की आवाजाही को लेकर नगर के लोगों द्वारा सुबह 9 बजे से 11 बजे तक तथा शाम 3 बजे से 5 बजे तक तथा बाजार के दिन दोपहर 3 बजे से शाम 8 बजे तक नो एन्ट्री लगाये जाने की मांग की जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा इस प्रकार की व्यवस्थाओं के चलते उदासीनता बरती गई तो निश्चित ही किसी दिन सांईखेड़ा बाजार में कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना को नजर अंदाज करना मुश्किल साबित हो सकता है?

डिब्बों के माध्यम से विक्रय होने वाली दूध की जांच जरूरी

गाडरवारा। इस समय नगर में देखा जावे तो बाहर से आने वाले दूध विक्रय करने वालो की जांच न होने से मिलावटी दूध की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है? दूध में पानी की मात्रा का प्रतिशत गर्मी शुरू होने के पहले मांग और खपत में अंतर आने के कारण दिनों दिन बढ़ती जा रही है? वही दूध में पौष्टिक पदार्थ की मात्रा मिलावट के कारण घटती जा रही है? दूध मे मिलावट होने से आम जनों को परेशानी एवं चिंता रहती है? क्योंकि बच्चो को मिलावटी दूध देने से बीमारी का खतरा बन रहा है? किंतु संबंधित विभाग अधिकारियों को शयद इस बात की कोई चिंता नही रहती है, जिसके कारण दूध विक्रेता शासन प्रशासन के नियम कानून कायदो को ताक में रख अपनी मन मर्जी के अनुसार मिलावटी दूध कारोबार कर रहे है।

एटीएम बन रहे मबेशियों के तबेले

अपनी जान जोखिम में डालते हुये गंदगी के बीच पैसा निकालने के लिये मजबूर हो रहे उपभोक्ता

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जहां एक ओर डिजीटल बनने की राह पर पहुंच रहे हमारे देश में सभी लेन देने बैकों में माध्यम से करते हुये सरकार का प्रयास है कि बैकों का लेनदेन की पेपर लेश होना चाहिये और बैकों के उपभोक्ताओं के लिये सीधा एटीएम व्यवस्था से जोड़ने के लिये आये दिन बैकों द्वारा प्रेरित करते हुये देखा जा रहा है। मगर जिस प्रकार से बैकों द्वारा नगर में स्थापित किये गये एटीएमों के प्रति जो उदासीनता बरती जा रही है उसके चलते नगर के एटीएम पूर्ण रूप से मबेशियों के तबेलों में परिवर्तित होते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहे है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो नगर में सबसे बड़ी बैक भारतीय स्टैट बैक को दो ब्रांचे संचालित होने के साथ साथ नगर में अनेक शासकीय बैकों के आलवा कुछ निजी बैके भी संचालित हो रही है, जिसके चलते इन बैकों द्वारा अपने ग्राहकों के लिये पैसा निकालने की व्यवस्था के नाम पर नगर में जहां तहां एटीएमों की स्थापना तो की गई है। मगर इन बैकों द्वारा उन एटीएमों के प्रति बरती जा रही उदासीनता परिणाम इस तरह देखने मिल रहा है कि जहां एटीएमों के अंदर मबेशी अपना डेरा जमाये रहते है। वही दूसरी ओर रात भर ए.सी. की हवा लेने के आदि यह मवेशी वही पर गंदगी फैलाने से भी नही चूकते है। क्योंकि जब बारिश का दौर चलता है तो इन मवेशियों के लिये असुरक्षित बगैर किसी धनीधोरी के खुले पड़े रहने वाले यह एटीएम ही बारिश से बचावे का प्रमुख सहारा साबित होने से नही चूकते है। इस स्थिति के चलते जब कोई उपभोक्ता किसी एटीएम के अंदर अपनी राशि निकालने के लिये पहुंचता है तो उसे एटीएम के अंदर मबेशी बैठे हुये मिलने के कारण उसकी जान खतरे में पड़ने से नही चूकती है या फिर मवेशियों द्वारा एटीएम के अंदर फैलाई गई गंदगी के बीच अपनी राशि निकालने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है। इस प्रकार से देखा जावे तो जहां नगर के एटीएम पूर्णरूप से गंदगी से बजबाते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर आये दिन बैकों के अधिकारियों द्वारा जहां आये दिन लोगों को स्वच्छता का संदेश देते हुये साफ सफाई करने की नसीयत देते हुये तो सुना जाता है। मगर उनके द्वारा ही स्थापित किये गये एटीएमों में गंदगी का अम्बार लगा हुआ दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? जबकि नियम के अनुसार बताया जाता है कि जब किसी बैक द्वारा जिस जगह अपने एटीएम की स्थापना की जाती है तो उस एटीएम पर एक सुरक्षा गार्ड तैनात किया जाता है जो 24 घंटे एटीएम की सुरक्षा करने के साथ साथ जब किसी उपभोक्ता को अपनी राशि निकालते वक्त कोई परेशानी आ जाती है तो उसकी मदद करता है। मगर नगर के एटीएमों में इस प्रकार से शायद ही किसी एटीएम पर कभी सुरक्षा गार्ड की दर्शन दिखाई पड़े हो? हाँ यह बात जरूर है कि सुरक्षा गार्ड की जगह रात के समय इन एनटीएमों में पशुओ का डेरा जरूर डला रहता है जिसके चलते एटीएम के अंदर किसी चोर के घुसने की बात तो दूर एटीएम उपभोक्ता भी अंदर प्रवेश करने की हिम्मत नही जुटा पाता है? इस प्रकार से बैकों द्वारा नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित किये गये अपने एटीएमों के प्रति सुरक्षा को लेकर बरती जा रही उदासीनता का परिणाम है कि जहां एक ओर एटीएम धारक उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करने के साथ साथ इन एटीएमों की सुरक्षा भी संदेह के घेरे में आने से नही चूक पा रही है? इसी के चलते क्षेत्र में एटीएम लूटने जैसी घटनाये भी सामने आने से नही चूक पा रही है, क्योंकि इस प्रकार से असुरक्षित स्थिति में स्थापित चल रहे इन एटीमों को अब लूटरे अपना निशाना बनाने से भी नही चूक रहे है। इस बात की सच्चाई बीते हुये कुछ वर्ष पूर्व समीपस्थ चीचली थाना के अंतर्गत ग्राम सूखाखैरी में स्थापित एटीएम को लूटने का प्रयास करते हुये तत्वों द्वारा एटीएम के अंदर तोड़ फोड़ कर डाली गई थी जिसके चलते मौके पर पुलिस के पहुंच जाने के कारण तत्व एटीएम को लूटने में सफल नही हो पाये थें। कुछ इसी प्रकार सच्चाई नगर में 6 जनवरी 2019 को चुग्गी नाका के पास लगे हुये एटीएम में भी देखने मिल चुकी है। जहां अज्ञात तत्वों द्वारा एमटीएम में तोड़फोड़ करते हुये उसमें भी लूट की घटना को अंजाम देने का प्रयास किया जा चुका है? इस तहर की घटनाओं के बाद भी बैको द्वारा एटीएमों की सुरक्षा को लेकर पूर्णरूप से उदासीन पूर्वक कार्यशैली अपनाते हुये देखा जा रहा है, जिससे एटीएमों की सुरक्षा के साथ साथ एटीएम धारक उपभोक्ताओं की जिन्दगी भी खतरे में पड़ने से नही चूक पा रही है? यह बात अलग है कि जब बैकों द्वारा नगर में अपने एटीएमों की स्थापना की गई थी उस समय जरूर हर एटीएम के पास एक सुरक्षा गार्ड तैनात दिखाई देते थें। मगर पता नही इसके बाद वह सुरक्षा गार्ड अचानक कहा गायब हो गये जिसके कारण अब नगर में स्थापित एटीएमों की सुरक्षा जहां भगवान भरोसे होने के साथ साथ वह सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं का तबेला बनते हुये दिखाई दे रहे है। इस प्रकार से असुरक्षित स्थिति में पहुंचे हुये इन एटीएमों में रात के समय जब किसी महिला को पैसा निकालने की जरूरत होती है तो वह एटीएम के पास पहुंचकर देखती है तो उसके अंदर मबेशी अपना डेरा जमाये हुये पाये जाने की स्थिति में वह एटीएम के अंदर प्रवेश करने की हिम्मत नही जुटा पाने के कारण खाली हाथ लौटने के लिये मजबूर होकर रह जाती है। जबकि बैकों द्वारा अपने एटीएम उपभोक्ताओं को यह भरोसा दिलाया जाता है कि उनके एटीएम अपनी उपभोक्ताओं की सेवा में 24 घंटे उपलब्ध है। मगर उन 24 घंटों में से अधिकांश समय तो मबेशियों का डेरा रहता है, जिसके चलते उपभोक्ता एटीएमों को उपयोग ही नही कर पाते है।

प्रधानमंत्री आवास योजना का इंतजार करते करते गिरने लगे गरीबों के बच्चे मकान

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिस सोच के साथ देश के प्रधानमंत्री द्वारा गरीबों को पक्के मकान देने के लिये प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरूआत की गई है उसके चलते उन गरीबों को पक्के आवास मिलते हुये देखे जा रहे है जो कभी पक्के मकानों में रहने का सपना भी नही देख सकते थें? मगर इस योजना का सही रूप से क्रियान्वयन नही होने की स्थिति में प्रधानमंत्री आवास योजना अपने लक्ष्य से भटकते हुये दिखाई देने लगी है। इस कारण से जहां साधन संपन्न लोगों के आवास तो बनते हुये देखे जा रहे है। मगर इस योजना के जो वास्तविक गरीब हितग्राही है वह आज भी इस योजना में शामिल होने के लिये इंतजार करते हुये अपने कच्चे आवासों में मौत और जिन्दगी के बीच जीवन काटने के लिये मजबूर होते हुये

दिखाई देने से नही चूक पा रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाले अनेक ग्राम पंचायतों में देखने मिल रही है जहां पर इस प्रकार के दर्जनों गरीब है जिनके कच्चे मकान होने के बाद भी अभी तक उनका प्रधान मंत्री आवास योजना की सूची में नाम नही आने की स्थिति में इस समय चल रहे बारिश के दौर में उनके कच्चे मकान गिरने के कारण मासूम बच्चों की जिन्दगी खतरे में दिखाई देने से नही चूक रही है। इस संबंध में खस्ता हाल कच्चे मकानों में जीवन यापन करने वाले गरीबों द्वारा जानकारी देते हुये बताया है कि वह पूर्णरूप से गरीब होने के साथ साथ उसकी स्थिति इस प्रकार से नही है कि वह अपना कच्चा मकान पक्का कर सके, जिसके चलते प्रधानमंत्री की आवास योजना सूची में नाम आने का इंतजार करते हुये लम्बा समय बीत जाने के बाद भी नाम नही आने के कारण कच्चे मकान का हाल इस स्थिति में पहुंच चुका है कि उसकी दीवारे चारों ओर से गिरने की शुरूआत होने के कारण यह डर सताने लगा है कि कही ऐसा न हो कि रात के समय पूरा का पूरा मकान धराशाही होने के कारण उसकी व उसके मासूम बच्चों की जिन्दगी खतरे में पड़ जावे, इस प्रकार से अन्य लोगों के आवासों की स्थिति भी कुछ इसी प्रकार से बनी हुई है जिनके कच्चे मकानों की गिरती हुई दिवारे निश्चित ही इस प्रधान मंत्री आवास योजना को अपने लक्ष्य से भटकने का उदाहरण देने से नही चूक पा रही है।

एक ओर प्रशासन की टीम रौप रही है गांव गांव पौधा तो दूसरी ओर सालीचौका क्षेत्र में खुलेआम फलदार पेड़ों पर चल रही कुल्हाडी

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

लगातार बिगड़ रही पर्यावरण की स्थिति के चलते निश्चित तौर से आने वाला समय चिंता जनक होने से नही चूक पायेगा..? इसी बात को ध्यान में रखते हुये जहां समाज सेवी संस्थाओं से लेकर शासन प्रशासन द्वारा अनेक प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से पौधा रोपण के लिये लोगों को प्रेरित करते हुये देखा जाता है। वही दूसरी ओर इस समय जिला प्रशासन द्वारा पौधा रोपण के लिये विशेष मुहिम चलाते हुये माँ के नाम एक पेड़ लगाने के लिये जो मुहिम शुरू की गई है उसके चलते प्रतिदिन जगह जगह पौधा रोपण होते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर जिला कलेक्टर द्वारा लोगों को पौधा रोपण करने के साथ साथ शासकीय संस्थाओं को विशेष पौधा रोपण मुहिम चलाने के आदेश भी दिये गये है। इस तरह जिला कलेक्टर के आदेश अनुसार गांव गांव पौधा रोपण होते हुये तो देखा जा रहा है जिसकी फोटो अखबारों में लगातार प्रकाशित होने के बाद जब लोगों द्वारा खुलेआम फलदार पेड़ो पर कुल्हाडी चलते हुये देखकर हैरत में पड़ने से नही चूक रहे है..? इस सच्चाई को देखकर लोग यह सबाल उठाने में कसर नही छोड़ रहे है कि एक ओर तो जहां प्रशासन की टीम द्वारा लोगों को पेड़ लगाने के लिये प्रेरित कर रहा है। मगर वही दूसरी ओर जिस तरह लकड़ी माफियों द्वारा खुलेआम फलदार पेड़ो पर कुल्हाडी चलाते हुये देखे जाने के बाद भी रोकने में आखिर क्यों नाकाम हो रहा है..? इस सच्चाई को देखकर निश्चित तौर से प्रशासन द्वारा चलाई जा रही पौधा रोपण की मुहिम पर जहां प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक रहा है? वही दूसरी और गौर किया जावे तो इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय लकड़ी माफियों द्वारा गांव गांव घूमकर भोरे भारे किसानों को जरा से धन का लोभ देकर उनके खेतों पर खड़े हुये पेड़ो को कत्लेआम करते हुये अपने जेबे भरने से नही चूक रहे है। बताया जाता है कि यह लोग गांव गांव घूमकर ग्रामीणों से माटी मोल भाव के आधार पर बडे बडे पेड़ो का सोदा करते हुये उन्हें जिले के बाहर मनमाने दामों पर विक्रय करते हुये परिवहन करने से नही चूक रहे है? क्षेत्र में सक्रिय लकड़ी माफियों की सच्चाई बीते हुये कुछ माह पहले उस समय भी उजागर होने से नही चूक पाई थी जब समीपस्थ ग्राम कान्हरगांव के पास वन विभाग की टीम द्वारा एक ट्राली में हाईड्रा के माध्यम से लोडिंग होते हुये ताजे कटे हुये पेड़ को पकड़ने में सफलता हासिल की गई थी। मगर कार्यवाही के नाम पर निभाई गई औपचारिकता के चलते पेड़ो पर कुल्हाडी चलाने वालों के हौसले बुलंद होने का परिणाम है कि इस समय सालीचौका सहित आस पास के अनेक गांवों में धडल्ले से प्रतिबंधित पेड़ो पर कुल्हाडी चलाते हुये उन्हें शहीद करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है? जबकि गौर किया जावे तो मा. उच्च न्यायालय द्वारा भी 53 प्रकार के पेड़ो को काटने पर प्रतिबंध लगाया गया है जिसमें आम, बबूल, महुआ, जामुन सहित अन्य प्रकार के पेड़ शामिल है। मगर इसके बाद भी खुलेआम आम सहित बबूल व अन्य प्रकार के पेड़ो की कटाई होते हुये देखे जाने के बाद भी राजस्व विभाग से लेकर वन विभाग की चुप्पी जहां सबाल खड़े करते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर सक्रिय लकड़ी माफियों के हौसला निश्चित तौर बडे स्तर पर संरक्षण मिलने का अंदेशा पैदा करने से नही चूक रहे है? इस तरह फलदार पेड़ो पर कुल्हाडी चलवाने वालों को मंचों से बडी बड़ी बाते करते हुये देखा जाता है। मगर इसके बाद रात के अधियार में उसके द्वारा किस तरह पर्यावरण को क्षति पहुंचाते हुये फलदार पेड़ो को धराशाही किया जा रहा है इस बात की सच्चाई ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करने पर उजागर होने से नही चूक पा रही है। बताया जाता है कि सालीचौका क्षेत्र के ग्राम सहावन टोला में लगभग 5 एकड़ भूमि पर लगे हुये बडे बडे फलदार पेड़ो की कटाई करते हुये लकड़ी माफियों द्वारा उनका परिवहन किया जा रहा है। मग इसके बाद भी इस ओर न तो वन विभाग द्वारा कोई ध्यान दिया जा रहा है और न ही राजस्व विभाग के अमले द्वारा जिसका परिणाम है कि बगैर अनुमति के भारी भरकम फलदार पेड़ लकड़ी माफियों की मनमानी के भेंट चढ़ने से नही बच पा रहे है।

पानी टंकी के पीछे वाला क्षेत्र में बना शराब खोरी करने वालों का सुरक्षित स्थान, देर रात तक शराबियों का आंतक रहने के चलते दशत में देखे जा रहे आमजन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र में आसामजिक तत्वों की हरकतों से लोग लगातार परेशान हो रहे है? वही दूसरी ओर पुलिस की कार्य प्रणाली पूर्णरूप से सुस्त होने के कारण अपराधिक प्रवृति के लोगों का मनोबल लगातार बढ़ता ही जा रहा है। स्थिति इस तरह से दिखाई देने लगी है कि अब रात के समय लोगो को अपने घरों से निकलने में दहशत दिखाई पड़ने लगी है। इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो शाम होते ही नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में जिस प्रकार से शराबियों की महफिले जम रही है, उसके चलते आम लोगों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के पुराने कालेज ग्राउंड सहित पुराना कालेज भवन के आलवा पानी टंकी के पीछे वाला भाग शराब खोरी करने वालों के लिये सबसे सुरक्षित स्थान बन चुका है? यह बात अलग है कि यहां से दुकाने बंद कराने के लिये पुलिस की गाड़ी ठीक 11 बजे पहुंच जाती है। मगर वह पानी टंकी काम्पलेक्स में लगी हुई दुकानों को देखकर आगे की ओर बढ़ जाती है। जबकि पानी की टंकी के ठीक पीछे वाला स्थान जो रात के समय अंधेरा होने के साथ शराब खोरी करने वालों के लिये सबसे सुरक्षित स्थान बन चुका है। हालत यह बनी हुई कि यहां पर होने वाली शराब खोरी करने वाले तत्व शराब के नशे मं मस्त होकर रात के दो तीन बजे तक यही मडराते हुये देखे जाते है। वही दूसरी ओर देखा जाता है कि जब रात के समय कोई ग्रामीण या फिर अकेला व्यक्ति किसी ट्रेन या फिर अन्य कही इस रास्ते से निकल कर जा रहा होता है तो उससे पैसा छीनने से भी नही चूकते है...? इस सच्चाई के चलते कानून के रखबारे यह बात कहने से नही चूकेगे कि जब किसी के कोई पैसा छीनता है तो फिर वह रिपोर्ट क्यों नही करता है...। क्योंकि नशेडियों द्वारा राय चलते हुये लोगों से 100-50 रूपया छीनते है तो वह दहशत के चलते इन लोगों की शिकायत नही कर पाते है और अधिकांश लोगों की सोच रहते है कि अब कौन झंझट में पड़े और इसी बात को फायदा उठाते हुये इन शराब खोरी करने वालों के हौसले बुलंद होने से नही चूक रहे है? इस सच्चाई से पुलिस विभाग के छोटे से लेकर बड़े अधिकारियों को अनेकों बार अवगत कराते हुये बताया गया है कि पानी टंकी क्षेत्र इस समय आवारा गर्दी से लेकर शराब खोरी करने वालों के लिये मुख्य स्थान बन चुका है। इस तरह यहां पर रात दिन होने वाले आवारा गर्दी का परिणाम है कि जहां नगर की शांति व्यवस्था भंग होने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर पुलिस द्वारा नगर में बनाई जाने वाली व्यवस्था को भी यह टंकी क्षेत्र ग्रहण लगाने से नही चूक रहा है? इस तरह चर्चा का विषय बन चुका पानी टंकी क्षेत्र को लेकर आमजन की पुलिस प्रशासन से मांग है कि रात 11 बजे के बाद यहां पर फालतू बगैर काम से बैठने वाले लोगों को हटाने के साथ साथ अपनी गस्त के दौरान पानी टंकी के पीछे वाले क्षेत्र का भी भ्रमण करते हुये शराब खोरी करने वालों की कार गुजारियों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कदम उठाया जावे। यदि समय रहते हुये पानी टंकी क्षेत्र में बिगड़ रही स्थिति पर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित तौर से पानी टंकी क्षेत्र में किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..?

बिजली की आंख मिचौली से शहर से लेकर ग्रामीणजन हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर।

इस समय देखा जा रहा है कि जहां बिजली विभाग द्वारा शहर से लेकर ग्रामवासियों को मन माफिख बिल देते हुए महगांई के दौर में उनकी घरों के बजट को विगाड़ते हुये उत्सह को तो फीका कर दिया गया है। मगर वही दूसरी ओर जिस प्रकार से बिजली कटौती की जा रही है उसके चलते लोगों को मुश्किल में डाल दिया गया है। बताया जाता है कि इस समय शहर से लेकर गॉवो में जिस प्रकार से बिजली की ऑख मिचौली चल रही है, उसके चलते लोग परेशान हो रहे है तो वही दूसरी ओर बच्चें अपनी पढ़ाई नही कर पा रहे है। इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा कह दिया जाता है कि अचानक बिजली लाईन में खराबी आ जाने के कारण बंद हुई है सुधार कार्य चल रहा है। जबकि गौर किया जावे तो बारिश शुरू होने के पूर्व बिजली विभाग द्वारा सुधार के नाम पर संपूर्ण नगर की बिजली बंद रखी गई थी, और कहा गया था कि अब बारिश के दौरान लोगों को बिजली की परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा, मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि प्रतिदिन दिन रात में अनेकों को बार बिजली अचानक बंद हो रही है, जिससे बिजली विभाग द्वारा पूर्व के समय में किये गये सुधार कार्य को लेकर जहां अनेक सबाल खड़े हो रहे है। वही दूसरी ओर यह सबाल भी उठ रहा है कि आखिर में किस प्रकार से सुधार हुआ था जिसके चलते अब बारिश के समय में लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जो जरा सा पानी गिरते ही बिजली बंद हो रही है। अब सबाल यही पैदा हो रहा है कि क्या बिजली सुधार कार्य के नाम पर सिर्फ औपचारिकता ही निभाई गई थी या फिर शासन के पैसा की होली खेली गई थी? इस प्रकार से बिजली की आंख मिचोली के चलते सर्वधिक परेशानी नगर के उन रिहाईशी इलाकों के निवासियों को हो रही है, जहां पानी की सप्लाई नलकूपों के माध्यम सें की जाती है। इन इलाको में बार बार बिजली बंद होने से पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इस प्रकार से लगातार हो रही बिजली की अघोषित कटौती को लेकर नागरिको का कहना है कि शाम ढलने के साथ ही बिजली की ऑख मिचौली शुरू हो जाती है जो लगभग सारी रात व दिन में भी जारी रहती है।

खबर संक्षेप

आवारा मवेशियों का सड़कों पर डेरा, हो रही सड़क दुर्घटनाएं

हरिभूमि न्यूज शहपुरा। डिंडोरी जिला के शहपुरा नगर के चारों तरफ इर्द-गिर्द सड़कों पर गौ माता दर-दर भटकते नजर आते हैं जिनके कारण सड़क दुर्घटनाएं हो रही है। जैसा कि सरकार द्वारा लगातार गो संरक्षण के लिए अभियान चलाया जा रहा है गौशालाएं बनाई जा रही हैं लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और बयां कर रही है गौशालाओं के नाम पर भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है और गौ माता दर-दर भटकने को मजबूर है सड़कों पर दुर्घटनाओं से अनेकों गौ माताएं अपनी जान गवा चुकी है लेकिन कोई विशेष पहल नहीं की जा रही है नगर परिषद नगर पालिकाओं में हांका गैंग बनाई जाती है लेकिन हांका गैंग कभी सड़कों पर दिखाई नहीं देती है शासन प्रशासन जन प्रतिनिधि को संरक्षण के लिए विशेष अभियान चलाकर गौ माता को गौशालाओं या कोई विशेष सुरक्षित स्थान पर संरक्षण करें जिससे आए दिन हो रही दुर्घटनाओं में इजाफा ना हो।

11 केवी फीडर लाइन के विद्युत पोल झुककर जमीन प लोट रहे हैं, जिससे कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

जन धन हानि के इंतजार में विद्युत विभागः दशकों से खड़े विद्युत पोल हो रहे जमींदोज, दुर्घटना की आशंका ..!

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। लगभग 80 के दशक में कराये गए विद्युतीकरण कार्य के तहत समनापुर से कमको मोहनिया तक लगाए गए विद्युत पोलो की हालत फिलहाल खराब हैं, मरम्मत एवं देख रेख के अभाव में सीमेंट के विद्युत पोल जमींदोज होने लगे हैं, जमीन तक झुकने के बाद विद्युत प्रवाहक तार से कभी भी गम्भीर खतरनाक हादसा होने का अंदेशा बना हुआ है, इन सबसे बेखबर विद्युत विभाग गहरी नींद में सोया हुआ है, जब जन धन हानि की घटना घटेगी तब जाकर विभाग की नींद खुलेगी..? समनापुर से जिले के अंतिम छोर के गांव कमको मोहनिया के बीच के 11 केवी फीडर में बिजली पोल और तार गिर जाने से आए दिन बिजली की आपूर्ति बाधित हो जाती है, जानकारी के अनुसार कभी कभी तो 24-48 घंटों के लिए बिजली की सप्लाई बंद रहती है जो कि जिला प्रशासन, विभागीय अधिकारी और जन-प्रतिनिधियों की उदासीनता का जीता जागता उदाहरण है। फिडर लाइन है क्योंकि 1985-87 में एक बार ये लाइन के निर्माण होने के बाद आज तक इसका मरम्मत नहीं

हुआ है, जबकि लगभग 37 वर्ष में नया लाइन नहीं बनाया गया है। आलम यह है कि बरसात के दिनों में थोडी सी आंधी और पानी से बिजली के पोल गिरते रहते हैं, समनापुर से कमको मोहनिया तक एक बड़ी आबादी को अंधेरे में रहना पड़ता हैं, जिससे इस मौसम में जहरीले जीव जंतुओं का

खतरा बना रहता है, इस लाइन में दर्जनों स्कूल, छात्रावास और अस्पताल भी संचालित हैं, सरकार विकास के तमाम दावे करें परंतु बिजली जैसी बुनियादी सुविधा के लिए इस प्रकार की उदासीनता निश्चित ही चिंतनीय है, सरकार को तत्परता के साथ इस समस्या को संज्ञान में लेकर नये फिडर निर्माण

कराना चाहिए।
1 जुलाई से आज तक की पोल गिरे हैं और तार भी टूट चुका है 12 और 13 जुलाई को भी पोल गिरने और झुकने से बिजली आपूर्ति बाधित रहती हैं, इसके साथ ही ग्रामीणों की जान खतरे में है, जिले के जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को समय रहते विद्युत पोलो की मरम्मत हेतु आवश्यक कदम उठाना चाहिए।

इनका कहना है

1985-87 में जब से बिजली के पोल गड़े हैं तार खिंची है उसके बाद से विभाग और प्रशासन ने इनके मरम्मत या नये लाइन के बिछाने के लिए प्रयास नहीं किए जिसके कारण हमारे क्षेत्र में सप्ताह में 3-4 बार पोल गिरने से रात के अंधेरे में रहना पड़ता है।
1 जुलाई के बाद कई बार पोल और तार टूटे हैं, 12 और 13 जुलाई को फिर से पोल गिरे, दिक्कत यह भी है कि पर्याप्त स्टाफ और गाड़ी नहीं होने के कारण लाइन सुधारने में भी दिक्कत का सामना करना पड़ता हैं, जिला प्रशासन विभाग के अधिकारी और जन-प्रतिनिधियों से अपेक्षा है कि इस पर संज्ञान लेकर नवीन लाइन लगाकर बिजली जैसी बुनियादी सुविधा बिना रूकावट आपूर्ति करना सुनिश्चित करें।

-सेमलाल धुर्वे, ब्लाक अध्यक्ष,जयस

शहपुरा में ट्रैफिक दरबार के तहत लोगों को किया जागरूक

यातायात पुलिस ने दी नियमों की जानकारी

बोले नियमों का पालन कर बने अच्छे नागरिक

हरिभूमि न्यूज शहपुरा। सोमवार को शहपुरा साप्ताहिक बाजार के दिन यातायात पुलिस ने यातायात जागरूकता कार्यक्रम के तहत बस ड्राइवर, एजेंट, फोर व्हीलर के ड्राइवर, आम नागरिकों

को नियमों की जानकारी आर गुड सेमेरिटन योजना के संबंध में जानकारी दी। -ट्राफिक प्रभारी बोले नियमों का पालन कर बने अच्छे नागरिक डिंडोरी ट्राफिक प्रभारी सुभाष उईके ने साप्ताहिक बाजार में मौजूद लोगो को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि ओवर लोड वाहन, ओवर स्पीड, शराब पीकर वाहन चलाना नहीं चाहिए। सभी से नियमों का पालन करने की अपील की। वही गुड सेमेरिटन (नेक व्यक्ति) योजना के संबंध में बताया कि गंभीर सड़क दुर्घटना से घायल मरीज को एक घंटे के अंदर अस्पताल पहुंचाते है तो उस घायल व्यक्ति तत्काल इलाज मिल जाता है जिससे उसकी जान बच जाती है और घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले को गुड सेमेरिटन योजना के तहत 5 हजार रुपए नगद और प्रमाण पत्र दिया जाता है। जागरूकता कार्यक्रम में एएसआई राम रूप विश्वकर्मा, प्रधान आरक्षक दादू राम कुमरे, कमलेश अहिरवार मौजूद रहे।

समनापुर थाना क्षेत्र में ठेकेदार के गुर्गे गाड़ियों से सप्लाई कर रहे देशी-विदेशी मदिरा

ठेकेदार और आबकारी विभाग की मिलीभगत से गली-गली धड़ल्ले से बिक रही अवैध शराब

हरिभूमि न्यूज समनापुर। डिंडोरी जिले के समनापुर थाना क्षेत्र में जुआ और अवैध शराब का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। गली-गली में अवैध देशी-विदेशी शराब बेची जा रही है। ठेकेदार के गुर्गों कार और बाइक से हर दिन विदेशी शराब की खेप गांवों में पहुंचा रहे है। इस ओर न तो स्थानीय पुलिस ध्यान दे रही है और न ही आबकारी विभाग के अधिकारी। या यूं कहें कि अधिकारियों के संरक्षण में शराब का कारोबार बेलगाम जारी है। वहीं शराब की सहज उपलब्धता के कारण युवा वर्ग नशे की लत में भी फंसते जा रहे हैं। जबकि प्रशासन नशा मुक्ति के लिए अभियान चला रही है, लेकिन यह अभियान भी दिखावा साबित हो रहा है।

-अधिकारियों के निर्देश की अनदेखी

कलेक्टर और एसपी ने कई बार अवैध भारतीय और विदेशी शराब की बिक्री रोकने के निर्देश दिए हैं, लेकिन अब तक स्थानीय पुलिस और आबकारी विभाग के अधिकारी अवैध अंग्रेजी शराब की बिक्री रोकने में विफल रहे हैं। बल्कि, अवैध देशी और विदेशी शराब का कारोबार दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। आबकारी विभाग के अधिकारियों को कई बार समनापुर थाना क्षेत्र में अवैध शराब बेचे जाने की जानकारी दी गई है, लेकिन उनके कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

-शराब ठेकेदार ने एजेंट नियुक्त किया

जानकारी के अनुसार, ठेकेदार ने अवैध देशी और विदेशी शराब के कारोबार को बढ़ाने के लिए अलग से एजेंट नियुक्त किया है, जो इसे गांवों तक पहुंचाने में मदद करता है। गांवों में किराना दुकानों की आड़ में अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे हैं, जो पुलिस की नजर में नहीं आ रहा है।

-इन गांवों में मिलती है अवैध देशी और विदेशी शराब

समनापुर थाना क्षेत्र के समनापुर पुल पार, अंडई, किकरिया, चंद्रानी, गौरकनहारी और बम्हनी के आसपास के इलाकों में अवैध भारतीय और विदेशी शराब बेची जा रही है। अब देखना यह है कि आबकारी विभाग के अधिकारी जांच कर कार्रवाई करेंगे या जिला मुख्यालय में सोते रहेंगे।

इनका कहना है

जिन स्थानों पर अवैध देशी व विदेशी शराब बेची जा रही है, उनकी जानकारी भेजें, हम जल्द ही जांच कर कार्रवाई करेंगे

-मंशाराम उइके,आबकारी विभाग डिंडौरी

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में विभागीय योजनाओं एवं कार्य प्रगति की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने आज सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक ली। उन्होंने जिले के ग्राम पंचायत स्तर पर शत प्रतिशत शुद्ध पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सड़क, रोड, पक्की फर्श खोदने तथा उसे सही तरीके से ठीक न करने पर जल जीवन मिशन जल निगम के ठेकेदार को पुनः निर्माण कार्य करने हेतु निर्देशित करने कहा गया है।
कलेक्टर ने विभाग द्वारा शिलान्यास भूमि पूजन लोकार्पण होने वाले कार्यों की सूची कलेक्टर कार्यालय में जमा करने के निर्देश दिए।
कलेक्टर जिले के पिछले वर्ष पास आउट दसवीं एवं बारहवीं के युवा/युवतियों को कंपनी में नौकरी दिलाने हेतु सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग, आईटी प्राचार्य, एनआरएलएम उद्योग प्रबंधक को निर्देश दिए। जिन स्कूलों में 10वीं 12वीं परीक्षा का परिणाम 10 प्रतिशत से कम रिजल्ट आने वाले विद्यालय के प्राचार्य को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं जिले के विकासखंड अमरपुर, समनापुर, करंजिया के कोटवार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का स्वास्थ्य कैंप अस्पताल के अंदर ही लगाएं और इनके और परिवार के टेस्ट, परीक्षण, खून की जांच कर दवाईयां वितरण की जाए। होमगार्ड कमांडेंट को निर्देश दिए की बारिश के मौसम को देखते हुए बाढ़ राहत, नदी, नालों से बचने हेतु बाढ़ नियंत्रण में आवश्यक उपकरण तैयार रखने ताकि सभी जगह आम लोगों को सुविधाएं दे सकें। सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कार्यालय में अपने स्टाफ को समझाएं की एक पत्नी से दूसरी पत्नी न रखें। जिससे बच्चे पत्नी व परिवार बर्बाद होने से बच सकें। विभागीय कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की भागीदारी बनाए रखें तथा बड़े-बड़े कार्यो की रूपरेखा बनाते समय उनका सहयोग लिया जाए। कलेक्टर ने कहा कि एसडीएम, तहसीलदार को सीमांकन बटवारा नामांतरण राहत राशि के प्रकरण तुरंत पास कर संबंधित हितग्राही को लाभ दिलाए।
आज समय सीमा की बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, एसडीएम बजाग आरपी तिवारी, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सेंट आरसेटी में मनाया गया विश्व युवा कौशल दिवस

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान डिंडोरी में विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ सत्येंद्र कुमार वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र डिंडोरी द्वारा प्रशिक्षणार्थी को कौशलध्दक्षता से जुड़ी हुई बातों से वैश्विक गांव, वैश्विक डिंडोरी लक्ष्यों में कौशल के साथ युवा की अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एस एस समद निदेशक आरसेटी डिंडोरी द्वारा अपने दैनिक गतिविधियों के साथ निरंतर अभ्यास से कौशल से जोड़कर आगे बढ़ना प्रशिक्षणार्थियों को बताया तथा वर्ष 2024 की थीम शांति और विकास के लिए युवा कौशल।ष विषय पर चर्चा की। फैकल्टी दीपिका सिंगौर ने छात्रों को सॉफ्ट स्किल व हार्ड स्किल के बारे में बताया। कार्यक्रम में ब्यूटी पार्लर मास्टर ट्रेनर श्रीमती स्नेहलता चैहान, कार्यालय सहायक राधिका पड़वार, हँसराज पड़वार, अटेंडर राम प्रसाद की सहभागिता रही। कार्यक्रम का सफल संचालन फैकल्टी ओम जी मिश्रा द्वारा किया गया। आज दिनांक 15 जुलाई 2024 को शासकीय आईटीआई डिंडोरी में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते जी एवं जनपद पंचायत डिंडौरी अध्यक्ष श्रीमती आशा धुर्वे जी शासकीय आईटीआई डिंडोरी में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए तथा कौशल प्रतियोगिता मैं चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया तथा आईटीआई ऑन व्हील मोबाइल आईटीआई वाहन को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया यह वाहन जिले के विभिन्न इलाकों में जाकर आईटीआई के बारे में जागरूकता फैलाने का कार्य करेगा।
जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते जी एवं जनपद पंचायत डिंडोरी अध्यक्ष श्रीमती आशा धुर्वे जी के द्वारा शासकीय आईटीआई डिंडोरी में वृक्षारोपण किया गया इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र के आरपी कुशवाहा जी, शासकीय आईटीआई डिंडोरी के प्राचार्य रमेश मरावी जी एवं संस्था के सभी अधिकारी कर्मचारियों के साथ संस्था के सभी छात्र भी उपस्थित रहे।

डिंडौरी में हुआ प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। प्रदेश के समस्त 55 जिलों में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में इंदौर में किया गया। इसी कड़ी में जिले के शासकीय चंद्रविजय कॉलेज डिंडौरी को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की श्रेणी में अपग्रेड कर चयनित किया गया है। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक शहपुरा ओमप्रकाश धुर्वे की उपस्थिति में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का फीता काटकर शुभारंभ किया गया। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ, पौधरोपण, अवलोकन एवं विद्यार्थी बस सेवा का उदघाटन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री कुलस्ते ने कहा कि उन्होंने एक्सीलेंस शब्द पहली बार तब सुना जब जबलपुर साइंस कॉलेज को एक्सीलेंस कॉलेज का दर्जा मिला था। आजादी के बाद उच्च शिक्षा में सुधार व परिवर्तन करने के लिए अनेक समितियों का गठन किया गया था। इन समितियों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट में अलग-अलग सुझाव प्रस्तुत किये थे। कुछ लोगों का मानना था कि पुरानी शिक्षा प्रणाली में व्यक्तित्व विकास के लिए व्यवस्था नहीं है। कुछ ने माना कि शारीरिक क्षमता व चारित्रिक विकास पर ध्यान दिया जाना चाहिये। प्राथमिक स्तर पर बच्चों को संस्कार व शिक्षा देकर उनके भविष्य को

बेहतर बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा नई शिक्षा नीति लागू की गई, जिसमें उक्त बातों का विशेष ध्यान रखा गया।
विद्यार्थियों को अपने विचार व्यक्त किये और विद्यार्थियों को शिक्षा में बहूआयामी पहलुओं को शामिल कर व्यक्तित्व निर्माण पर जोर देने के लिए कहा गया। शिक्षा के मूल्यों को आत्मसात कर बेहतर समाज एवं बेहतर नागरिक बन देश के भविष्य में सहयोग करें। इंदौर के अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के प्रसारण को भी देखा व सुना गया।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया गया कि उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार छात्रों की सुविधाओं को देखते हुए 1 जुलाई से निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। जिसमें महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. तुलसी करचाम ने बताया कि राज्य शासन द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत छात्र-छात्राओं हेतु निःशुल्क बस सेवा 1 जुलाई से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय चंद्रविजय महाविद्यालय डिंडौरी में शासन के निर्देशानुसार जिला स्तर पर बस सुविधा संचालित की जा रही है। बस संचालन महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति द्वारा किया जायेगा। जिसमें प्रति विद्यार्थी को 30 रूपये देय होगा। बस संचालक विद्यार्थियों को 30 रुपये प्रति महीने शुल्क के साथ मार्ग समनापुर तिराहा-भोंदूटोला चैराहा-ओबीसी छात्रावास मंडला बस स्टैंड कंपनी चैक-कलेक्ट्रेट तिराहा-भारत माता चैक-जबलपुर स्टैंड-देवरा तिराहा-जबलपुर स्टैंड-सुबखार तिराहा-कॉलेज स्टैंड तक छोड़ेगी। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. तुलसी करचाम के निर्देशन में बस संचालन समिति का गठन किया गया है, जिसके नोडल अधिकारी डॉ नरेंद्र राजपूत एवं डॉ. ए. एस. उद्दे, डॉ बिजलेश धुर्वे समिति के सदस्य हैं।
प्रतिनिधि उच्च शिक्षा विभाग अपर संचालक वित्त राजेश सिंह, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, पंकज तेकाम, विरेन्द्र बिहारी शुक्ला, जिला अध्यक्ष अवधराज बिलैया, सांसद प्रतिनिधि नरेन्द्र राजपूत, अशोक अवधिया, महेश पाराशर, जयसिंह मरावी, पुनीत जैन, लक्ष्मण सिंह ठाकुर, श्रीमती नरबदिया मरकाम, श्रीमती सुशीला मार्को, श्रीमती सपना जैन, प्राचार्य डॉ. तुलसी करचाम सहित कॉलेज का स्टाफ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

रविवार को ग्राम चाड़ा में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन अंतर्गत आयोजित हुआ स्वास्थ्य शिविर

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। रविवार को गुजरात से सिकलसेल विशेषज्ञ डॉ. अतुल देसाई और राज्यपाल भवन भोपाल से डॉ. दीपमाला रावत सिंह जनजाति प्रकोष्ठ की उपस्थिति में ग्राम चाड़ा में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन अंतर्गत विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर जिला प्रशासन के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, खाद्य आपूर्ति विभाग और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सहित अन्य जिला एवं जनपद स्तरीय विभागों के तत्वाधान में आयोजित किया गया। शिविर में सिकलसेल विशेषज्ञों चाड़ा में आयोकजित शिविर में शासन की योजनाओं सहित सिकलसेल पीडितों का हाल जानने पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान जनजाति सीनियर कन्या छात्रावास चाड़ा की छात्राओं ने नृत्य गीत के साथ भव्य स्वागत किया गया। छात्रावास में निरीक्षण के दौरान राज्यपाल भवन भोपाल से डॉ. दीपमाला रावत सिंह जनजाति प्रकोष्ठ डिंडौरी पहुंची। छात्राओं से वन दू वन चर्चा करते हुए परिचय लेकर उन्हें आगे क्या

बनना है इसके बारे में जानकारी ली। डॉ. देसाई ने बच्चों से कहा कि वे अपने परिवार के सदस्यों को सिकलसेल एनीमिया के बचाव और सावधानी के बारे में बताएं। जानकारी में बताया गया कि अभी तक जिले में सिकलसेल एनीमिया के अब तक 2074 मरीज चिन्हित किए जा चुके हैं। इस हेतु अभियान लगातार जारी है। मुख्यातिथियों ने छात्राओं से अपनी सामाजिक संस्कृति, स्थानीय भाषा, रीति-रिवाज, परिवेश को बनाये रखने की बात कही। छात्राओं को खेलकूद की सामग्री सामग्री वितरण किया गया। आज आयोजित शिविर में दौरान कलेक्टर विकास, सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह, आयुष विभाग की संभागीय अधिकारी सुश्री बिन्दु धुर्वे, एसडीएम बजाग आर.पी. तिवारी, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग डॉ. संतोष शुक्ला, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रमेश मरावी, महिला एवं बाल विकास विभाग श्याम सिंगौर, जिला आयुष अधिकारी डॉ. संतोष परस्ते, डॉ. समीक्षा सिंह, डॉ. गायत्री श्याम, डॉ. अनुपमा परस्ते, सीईओ जिला पंचायत एम.एल. धुर्वे, जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी ए.के. श्रीवास्तव, बीआरसी बजाग ब्रजभान सिंह गौतम, जिला प्रबंधक एनआरएलएम श्रीमती मीना परते, डॉ. मनोज उरैती, जिला क्रीडा प्रभारी पी.एस. राजपूत, सहित अन्य जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।
इस दौरान डॉ. देसाई और डॉ. दीपमाला ने वन्या रेडियो केन्द्र चांडा का अवलोकन किया। वन्या रेडियो के कलाकारों ने तिलक लगाकर गीत प्रस्तुत कर स्वागत किया।
मरीजों को बांटी दवाईयां
स्वास्थ्य शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बजाग व आयुष विभाग द्वारा सिकलसेल के मरीजों को दवाईयां वितरित की गई। मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर प्राथमिक उपचार भी दिया गया। साथ ही गर्भवती महिलाओं की भी जांच कर सभी मरीजों को सिकलसेल से बचाव के उपाय बताए गए। शिविर में डॉ. अतुल ने कहा कि आयुर्वेद को बढ़ावा दिया जाए। इससे मरीजों को उचित उपचार मिलता है और कोई दुष्प्रभाव भी नहीं होते।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, मंगलवार 16 जुलाई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जिले में अब तक 188 मिमी वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर। जिले में एक जून से 15 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 188 मिमी अर्थात 7.40 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 15 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 12 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 14 मिमी, गाडरवारा में 5 मिमी, गोटेगांव में 4 मिमी, करेली में 9 मिमी और तेंदूखेड़ा में 28 मिमी वर्षा आंकी गई है। अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 162 मिमी, गाडरवारा में 235 मिमी, गोटेगांव में 231 मिमी, करेली में 108 और तेन्दूखेड़ा में 204 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 480.40 मिमी वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 533 मिमी, गाडरवारा में 478 मिमी, गोटेगांव में 360 मिमी, करेली में 567 मिमी और तेन्दूखेड़ा में 464 मिमी वर्षा हुई थी।

विद्युत पेंशनरों की कार्यशाला 18जुलाई को

नरसिंहपुर। म.प्र.वि.मंडल पेंशन एशोसियेशन के तत्वावधान में 18जुलाई दोपहर 12बजे से सुविजिता होटल स्टेशन नरसिंहपुर के सभागृह में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। धोखाधड़ी और सायबर अपराध से कैसे बचें इस बिषय पर भोपाल टीम के सदस्य श्री दांगी अपना प्रेजेंटेशन देंगे।एशोसियेशन की ओर से इंजीनियर अरुण शर्मा एवं वी के जैन ने विद्युत विभाग के सदस्यों सहित सभी की उपस्थिति का आव्हान किया है।

बालकृष्ण नेमा का निधन

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर शास्त्री वार्ड निवासी बालकृष्ण नेमा तलापार वालों का करीब 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे मयंक नेमा के पिता श्री थे। उनका अंतिम संस्कार 16 जुलाई को दोपहर12 झिरना मुक्तिधाम में किया जाएगा।

साक्षी बनीं चार्टर अकाउंटेड

तेंदूखेड़ा- क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है यदि उन्हें उचित मार्गदर्शन और अच्छा माहौल मिल जाता है तो हर क्षेत्र में उड़ान भरने की दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ा करतीं हैं। ऐसा ही एक उदाहरण तेंदूखेड़ा के बरकुंडा खैरी निवासी हनुमत सिंह पटेल जो कि वर्तमान में वल्लभ भवन भोपाल में शिक्षा विभाग के सचिव के निज सहायक है।इनकी सुपुत्री साक्षी जो कि शुरू से ही मेधावी छात्रा रही है के द्वारा सी ए की परीक्षा उत्तीर्ण कर चार्टर अकाउंटेड बनने का निर्णय लेते हुए अपनी मंजिल तक पहुंच कर परिवार का ही नहीं बल्कि तेंदूखेड़ा क्षेत्र का नाम रौशन किया है। साक्षी की इस सफलता पर तेंदूखेड़ा क्षेत्र के लोगों ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पत्नि के हत्यारे को आजीवन कारावास की सजा

नरसिंहपुर। न्यायालय प्रथम सत्र न्यायाधीश महोदय, नरसिंहपुर अखिलेश कुमार धाकड के न्यायालय द्वारा आरोपी सुरेश कुमार उर्फ भोपाली खटीक को आजीवन कारावास एवं 2000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। जिला मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि सूचनाकर्ता मुन्नीबाई की छोटी बहन गंगाबाई अपने पति अभियुक्त सुरेश उर्फ भोपाली खटीक के साथ ग्राम मगरधा में इकबाल मुसलमान के मकान में किराये से रहती थी। दिनांक 19.06.2023 को सबह 7,30 बजे अपनी बहन गंगाबाई को मजदूरी में चलने के लिए उसके घर बुलाने गई तो घर का दरवाजा सामने से बंद था। उसने दरवाजा खोला और देखा कि गंगाबाई नीचे बिस्तर पर लेटी थी व कम्बल ओढी थी। उसने कम्बल हटाया, गंगाबाई करवट लिए हुए लेटी थी, जिसे सीधा चित्त किया तो वह मर चुकी थी, फिर उसने हल्ला किया तो मोहल्ले वाले आये, उन्होंने बताया कि रात्रि में करीब 10 बजे तक गंगाबाई और गंगाबाई का पति आरोपी सुरेश (भोपाली) जाग रहे थे। ग्राम रोसरा का

रहने वाला भोला कुशवाह गंगाबाई के घर आता जाता था, तो अभियुक्त उस पर गंगाबाई से अवैध सम्बन्ध होने की शंका करता था, जिससे दोनों में झगडा होता था, घटना दिनांक को भी झगडा होना बताया गया। मुन्नीबाई द्वारा थाने में दी गई सूचना से थाना स्टेशनगंज जिला नरसिंहपुर में देहाती मर्ग क्रमांक 0ध्23 लेखबद्ध किया गया। मर्ग जांच के दौरान साक्षीगण के कथन लेख किये गये। जांच पर से आरोपी के विरुद्ध थाना स्टेशनगंज जिला नरसिंहपुर में अपराध क्रं. 512, 2023 अंतर्गत धारा 302 भादंवि की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई एवं संपूर्ण विवेचना उपरांत भा0दं0वि0 की धारा 302 के अंतर्गत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय में शासन की ओर से मामले की पैरवी जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री रामकुमार पटेल द्वारा की गई। अभियोजन के द्वारा साक्षियों का परीक्षण कराया गया तत्पश्चात मौखिक तर्क प्रस्तुत किये गये जिनसे सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी को भा.द.वि. की धारा 302 का दोषी पाते हुऐ आजीवन कारावास एवं 2000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।

कौशल व्यक्ति के समग्र विकास का आधार- कलेक्टर

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले एवं सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार की उपस्थिति में शासकीय आईटीआई नरसिंहपुर में विश्व कौशल दिवस का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्रीमती पटले ने सम्पूर्ण आईटीआई का भ्रमण किया। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में निबंध लेखन, स्किल काम्पीटिशन में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र एवं ट्राफी देकर सम्मानित किया। इस मौके पर कलेक्टर श्रीमती पटले ने प्रशिक्षणार्थियों को कौशल उन्नयन के महत्व एवं स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया। अपने प्रेरक उद्बोधन में कलेक्टर ने कहा कि अपने कौशल को निखारें और देश की प्रगति में योगदान दें। विश्व कौशल दिवस का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक विकास की ओर बढ़ाना है। प्रशिक्षणार्थी इसके लिए स्वयं को तैयार करें। कौशल व्यक्ति के समग्र विकास, रोजगार, उद्यमशीलता, आत्मविश्वास में योगदान करता है। कौशल विकास किसी एक विशेष क्षेत्र तक सीमित नहीं है। कलेक्टर ने विभिन्न योजनाओं के मोबिलाईजेशन एवं प्रचार- प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य पाराशर एवं समस्त अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने किया पत्रकारों के साथ पौधरोपण

नरसिंहपुर। जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रतिदिन पौधारोपण की गतिविधियाँ की जा रही है। इस कार्यक्रम के तहत सोमवार को कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार व सी ई ओ जिला पंचायत दलीप कुमार ने संयुक्त रूप से पत्रकारों के साथ साक्षरता स्तंभ परिसर में पौधरोपण किया। इस दौरान फलदार एवं छायादार 30 पौधों का पौधरोपण किया। इन पौधों में आंवला, आम, जामुन, अशोक, नीम, अमरूद आदि पौधे शामिल थे। इस मौके पर सहायक संचालक जनसम्पर्क राहुल वासनिक पत्रकारबंधु और नागरिकों ने भी पौधरोपण किया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिले में चल रहे पौधरोपण के तहत कलेक्टर श्रीमती पटले ने जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सुरक्षित स्थल पर अधिक से अधिक पौधरोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, जल स्तर का घटना, असामान्य वर्षा आदि इन सब बातों को देखते हुए अधिकाधिक पौधरोपण कर प्रकृति का संरक्षण करना आज की नितांत आवश्यकता है। कलेक्टर ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान में किये जा रहे पौधरोपण का फोटो अंकुर वायुदूत ऐप में अपलोड अवश्य करें। जनसंपर्क कार्यालय के स्टाफ के मंगल प्रसाद ठाकुर, मिट्ठू लाल ढीमर,शहीद खान, सिद्धार्थ रैकवार, आकाश राय ने भी पौधे लगाये।

मां के साथ बेटे ने लगाया पौधा अभियान के तहत साक्षरता स्तंभ परिसर में श्रीमती शंकुनतला वासनिक ने अपने बेटे राहुल वासनिक के साथ आम का पौधे का रोपण किया।

कांग्रेस लोकतंत्र विरोधी मानसिकता की है

करेली। 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं ग्रह मंत्री अमित शाह एवं एनडीए सरकार का कैलाश सोनी राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी संघ ने आभार प्रकट किया एवं कृतज्ञता ज्ञापित की'। साथ ही श्री सोनी ने कहा की आज का दिन ऐतिहासिक है। संविधान हत्या दिवस घोषित होने पर अब आम जनता को सविधान पर पहले से अधिक विश्वास बढ़ेगा। हमेशा से ही कांग्रेस लोकतंत्र विरोधी मानसिकता की रही है। इसलिए 1975 में कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर कर संविधान की हत्या की थी। आपातकाल में देश को खुली जेल बना दिया था। केंद्र सरकार द्वारा आपतकाल को संविधान हत्या दिवस घोषित होने से अब वर्तमान पीढी अवगत हो सकेगी कि इससे कांग्रेस की करनी और कथनी उजागर होती है और यही कांग्रेस आज सविधान खतरे में का खोखला प्रपोगंडा करते फिर रही है।

नरसिंह साहित्य परिषद् की काव्य गोष्ठी संपन्न

नरसिंहपुर। नरसिंह साहित्य परिषद् की काव्य गोष्ठी डॉ महेश त्रिपाठी की अध्यक्षता एंव गणेश चतुर्वेदी और सी.बी.शर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई गोष्ठी की शुरुआत कवि कुंज बिहारी यादव की सरस्वती वंदना से हुई । तत्पश्चात कवि प्रशांत शर्मा सरल द्वारा मन को खुश रखना खुशी लुटाओ यार ,सुख देगा सुख पायेगा जाने यह संसारपंक्तियों द्वारा अपने भाव प्रकट किए कवि सूर्यकांत साहू द्वारा ,ना दिल फेंक नजरों की मासूमियत पे कवि नरेंद्र सराठे द्वारा सृष्टि के सृजन का उपहार है बेटी, परिवार पूर्ण होने का आकार है इन पंक्तियों से बेटियों का महत्व प्रतिपादित किया युवा कवि विकास बैरागी द्वारा पति-पत्नी के बीच हुआ झगड़ा तो पति ने कहा तेरी सौतन को पंक्तियों के माध्यम से हास्य पैदा किया कवि कुंज बिहारी यादव द्वारा कभी वो छाँछ पर गोपी के आकर नाच जाता है कभी वो बेर शबरी के जूठे खा खुद मौज खाता है के माध्यम से भक्ति की पराकाष्ठा को बताया बरिष्ठ कवि सी. बी. शर्मा द्वारा बेटी हिन्दी अलंकार में अनुप्रास है परिवार की सुनहरी आस है पंक्तियों के माध्यम से बेटियो के प्रति श्रद्धा भाव प्रकट किए वही ओज कवि अशोक त्रिपाठी द्वारा जिस माटी मैं जन्म लिया है उसका कर्ज चुकाऊंगा जब तक धड़कन सांसें है मैं गीत राष्ट्र के गाऊंगा पंक्तियों माध्यम से राष्ट्र के प्रति सपर्पित भाव प्रकट किये कवि कीरत सिंधु द्वारा भी प्रभावी काव्य पाठ किया गया वरिष्ठ कवि डॉ महेश त्रिपाठी द्वारा षड विकारो को तुम त्यागो कर्तव्य से तुम न भागो पंक्तियों के माध्यम से कर्तव्य पराणयता की ओर इशारा किया गणेश कुमार चतुर्वेदी अ.वरिष्ठ जन परिषद् द्वारा शुभकामना संदेश दिया गया कवि कुंजी बिहारी यादव के आभार के साथ गोष्ठी संपन्न हुई।

मानसिक विक्षिप्त से अभद्रता करने वाले को सजा

नरसिंहपुर। माननीय चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट) नरसिंहपुर श्रीमती रश्मिना चतुर्वेदी के न्यायालय द्वारा आरोपी पूरनलाल उर्फ भाईजी, उम्र 25 वर्ष आत्मज खडगराम मेहरा निवासीः-ग्राम मिढली टौरिया,थाना सुआतला जिला नरसिंहपुर को धारा-452 भादंवि में दोषसिद्ध पाते हुये 3 वर्ष का सश्रम कारावास, 500- रूपये के अर्थदंड, तथा धारा-9(1)10 पाक्सो एक्ट में 5 वर्ष का सश्रम कारावास, 500- रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। जिला मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि अभियोक्त्री के चाचा ने चैकी बरमान उपस्थित होकर इस आशय की रिपोर्ट लेखबद्ध कराई कि वह ग्राम मिढली टौरिया में अपने बड़े भाई के साथ रहता है, उसके बड़े भाई की बच्ची (अभियोक्त्री) मानसिक रूप से (पागल) काफी कमजोर है जो कुछ बोलती नहीं है देखकर हंसती रहती है जिसके पैर हाथ बांधकर घर में रखते हैं। उसका बड़ा भाई एवं भाभी मजदूरी करने भोपाल गये हैं, घर पर वह उसकी भतीजी (अभियोक्त्री) तथा उसकी मां रहते हैं। दिनांक 13.10.2023 को वह सुबह 8 बजे मजदूरी करने गया था उसकी भतीजी (अभियोक्त्री) को पैर बांधकर घर के अंदर रखे थे, उसकी मां भी घर पर थी, वह शाम 5.30 बजे मजदूरी करके वापस आया तो देखा कि मोहल्ले का लड़का पूरन उर्फ भाईजी उसके घर के अंदर घुसकर उसकी पागल भतीजी के दोनों हाथ बुरी नीयत से पकड़ कर बैठा था, जो उसे देखकर भतीजी का हाथ छोड़कर भाग गया, उसी समय उसकी मां नल से पानी लेकर आई जिसे उसने घटना के बारे में बताया और रिपोर्ट करने आया है।

विद्यार्थियों को सिखाएं आपदा प्रबंधन के गुण और नये कानून के बारे में दी जानकारी

तेंदूखेड़ा- विगत दिवस विकासखंड चावरपाठा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में एक दिवसीय जीवन रक्षा प्रशिक्षण एवं नए कानून के संबंध में जानकारी देने सेमिनार का आयोजन किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागेंद्र पटेरिया के मार्गदर्शन मे अनुभागीय पुलिस अधिकारी तेंदूखेड़ा मधुर पटेरिया द्वारा छात्रों को 1 जुलाई से लागू किए गए नए कानून के बारे मे नैतिक मूल्यों से जुड़ी गतिविधियों यातायात सड़क सुरक्षा पर्यावरण के संरक्षण एवं सुरक्षा साइबर अपराधों बाल यौन शोषण सहित विभिन्न विषयों पर काफी विस्तार से चर्चा की गई। चूंकि यह पहल काफी कारगार सिद्ध हो रही है। एवं लोग बड़े चाव से रूचि लेकर जानकारी ग्रहण कर रहे है। उप निरीक्षक सुआतला अंकित रावत एवं ऊर्जा डेस्क प्रभारी श्रीमती वर्षा नेमा द्वारा यातायात जागरूकता एवं महिला सुरक्षा विषय पर व्याख्यान दिया तथा नेशनल यूथ अवार्डी शिवम मिश्रा द्वारा छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही बरसात के मौसम को दृष्टिगत रखते हुये बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों या अचानक नदी नाले उफनाने की स्थिति मे पीड़ति वर्ग के बचाव के लिये जिला होमगार्ड कमांडेंट टी आर चैहान, सूबेदार वीरेंद्र सूर्यवंशी, हेड कांस्टेबल सुंदर उईके एवं उनकी टीम द्वारा सावधानी तथा होमगार्ड रेस्क्यू टीम द्वारा लाइव मॉक ड्रिल कराया गया। इस मौके पर उपस्थित अतिथि एवं छात्र छात्राओं ने विद्यालय परिवार के द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया।

नाबालिग की लज्जा भंग करने वाले आरोपी को 3 वर्ष की सजा

नरसिंहपुर। माननीय न्यायालय, द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ श्रीमती अंजली पारे के न्यायालय द्वारा नाबालिग की लज्ज्जा भंग करने के प्रकरण में आरोपी विनोद साहू आ0 भोगीराम साहू आयु 21 वर्ष, निवासी ग्राम इमलिया, थाना चीचली जिला नरसिंहपुर म.प्र. को दोषसिद्ध पाते हुए आरोपी को भादवि की धारा- धारा 363 में 03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000- रूपये अर्थदंड, धारा 354 में 03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000- रूपये अर्थदंड, धारा 323 में 06 माह का सश्रम कारावास एवं 1000- रूपये अर्थदंड तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा में 03 वर्ष का सश्रम कारावास अर्थदंड से डित किया गया। अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि कि, दिनांक 10.01.2023 को अभियोक्त्री ने आरक्षी केंद्र महिला थाना नरसिंहपुर में इस आशय की रिपोर्ट लेख करायी कि आरोपी उसके मोहल्ले में रहता है, इस कारण वह आरोपी को पहचानती है। लगभग दो माह से अभियोक्त्री एवं आरोपी बात-चीत करते हैं एवं लगभग 15 दिन पूर्व आरोपी ने अभियोक्त्री को एक मोबाईल दिया था। दिनांक 09.01.2023 को रात्रि के करीब 12 बजे आरोपी ने अभियोक्त्री को फोन पर धमकी देकर मिलने के लिए बुलाया और जब अभियोक्त्री उससे मिलने घर के बाहर आयी तो आरोपी उसे ले जाने लगा, अभियोक्त्री द्वारा मना किये जाने पर आरोपी ने उसका दाहिना हाथ पकड़ा और जबरदस्ती अपने घर ले गया। अभियोक्त्री को जानकारी हुई कि उसके घर वाले उसे ढूंढ रहे हैं तो वह डर के कारण आरोपी के घर में छुपी रही और थोड़ी देर बाद आरोपी द्वारा अभियोक्त्री को दिया गया मोबाईल आरोपी को वापस कर अभियोक्त्री उसके घर से निकल गई, रास्ते में उसके चाचा मिले, जिनके साथ वह घर आ गई एवं घटना के संबंध में अपने परिजन को बताया एवं अपनी मां एवं भाई के साथ थाने जाकर रिपोर्ट लेख करायी।

कट प्वाइंटों पर सुरक्षा के नहीं किए गए प्रबंध

आये दिन होते हैं सड़क हादसे

तेंदूखेड़ा- राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग पर मदनपुर से राजमार्ग तक बनें विभिन्न कट प्वाइंट पर छोड़े गए हैं लेकिन इन पर सुरक्षा के उचित प्रबंध ना होने की स्थिति में आये दिन सड़क दुर्घटनाएं घटित होती रहती है। सबसे ज्यादा गंभीर स्थिति ढिलवार तिगड्डा के यहां हुआ करती है अभी तक एक दर्जन से अधिक लोग असमय काल के गाल में समा चुके हैं इसके बावजूद भी एन एच आई के आला अधिकारियों द्वारा सुरक्षा की दिशा में आज तक कोई उचित प्रबंध नहीं किए गए हैं। यहां पर जेतपुर और ठीक सामने से ढिलवार तरफ जाने के लिए मुख्य सड़क मार्ग से ही बनें कट प्वाइंट से होकर गुजरना पड़ता है। अबाध गति से चलने वाले वाहनों के द्वारा शीघ्र रफ्तार कंट्रोल ना होने की स्थिति में सीधी भिड़ंत हो जाती है या फिर आपस में मोटर साइकिलों की ही सीधी टक्कर में दुर्घटनाएं देखने को मिला करती हैं।इसी मार्ग पर आगे 07 नंबर पुलिया के समीप भी अनुविभागीय पुलिस और राजस्व कार्यालय है ठीक सामने सरकारी कालेज तथा होटल भी खुली हुई है। यहां से दो अलग-अलग स्थानों पर कट प्वाइंट बनें हुए हैं।बाहन अपनी रफ्तार में आने की स्थिति में अक्सर कर छोटे बाहन चालक भिड़ जाते हैं। आगे तरफ शासकीय अस्पताल के सामने से लेकर नीचे तक हरसिद्धि मंदिर जाने वाले सड़क मार्ग तक एन एच आई की विद्युत हमेशा गुल रहने के कारण यहां पर मुख्य सड़क मार्ग पर बैठने वाले मवेशियों को अंधेरे की स्थिति में तेज रफ्तार वाले बाहन रौंदते हुए चले जाते हैं। चूंकि इन घटनाओं को लेकर हमेशा समाचार पत्रों के माध्यम से एन एच आई के अधिकारियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों को अवगत कराया जाता है फिर भी सुरक्षा की दिशा में आज तक कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई है।इन कट प्वाइंटों पर या तो रफ्तार कम करने बेरीकेट्स रखने होंगे या फिर कोई दूसरे इंतजाम आवश्यक है।जिन परिवारों के युवा कालकल्वित हुये है आज उनके परिवारों के बुजुर्ग आशा की किरणों को असमय जाने से विलख रहें हैं।

266 नग सागौन चिरान तथा 57 नग चैखट दरबाजे जब्त

वन विभाग की कार्यवाही

तेंदूखेड़ा- इन दिनों जहां पर्यावरण सुरक्षा को लेकर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। वनों से होने वाले फायदों को गिनाते हुए जहां तहां होड़ लगी हुई है वहीं सागौन का बड़ी मात्रा में जखीरा बरामद होना एक आश्चर्य का विषय है इससे स्पष्ट होता है कि अमला अभी भी जंगलों के सफाये में लगे हुए हैं और जबाबदार केवल झूठी बाहबाही लूट रहे हैं। जिसका जीता जागता उदाहरण बरमान वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कुकवारा में देखने को मिला जहां बड़ी मात्रा में सागौन की 266 चिरान और 57 नग दरवाजे चैखटें बरामद करने में कार्यवाही करने पहुंची टीम को 6 घंटे लग गए। और जब्त सामग्री को भिजवाने में टेक्टर ट्राली उपयोग में लेनी पड़ी। मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर वनमंडलाधिकारी एवं उप वनमंडलाधिकारी नरसिंहपुर के

निर्देशन में वन परिक्षेत्र अधिकारी गौरव वानखेड़े बरमान की टीम द्वारा सर्च वारंट लेकर ग्राम कुकवारा तहसील तेंदूखेड़ा निवासी अचल पिता संतराम घोषी के घर पर दबिश दी गई। तलाश करने पर सागौन चिरान 266 नग तथा 57 नग चैखट दरबाजे लगभग 2.5624 घन मीटर मिला। इस जब्त शुदा सागौन के आरोपी के पास कोई वैद्य दस्तावेज नहीं पाये गये। जिस पर भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26 33 एवं 41 के तहत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 33595/02 पंजीबद्ध किया गया। छः घंटे तक चली इस कार्यवाही में वन परिक्षेत्र अधिकारी गौरव वानखेडे परिक्षेत्र सहायक गोपाल पटेल विकास दुबे अभिषेक मालवीय रामकुमार अवस्थी श्रीमति रीना चैधरी कार्यवाहक वनपाल वनरक्षक गीतेश पटेल भूपेन्द्र ठाकुर सचेन्द्र पटेल जितेन्द्र पटेल विकास दुबे नरेन्द्र ठाकुर अंकित पवार तथा महेश आचार्य वनरक्षक एवं अन्य सुरक्षा श्रमिक उपस्थित रहे।

सजगता की जरूरत

गौरतलब रहे कि बरसात शुरू होते ही वन माफिया सक्रिय होकर जंगलों को काटकर सिल्लियां बेचने में व्यस्त हो जाते हैं। रायसेन सागर जिलों के जंगलों से बड़ी संख्या में रात्रि के समय ढोकर लाया करते हैं। चूंकि वन विभाग द्वारा की गई कार्यवाही के दौरान सागौन चिरान जब्त भी की गई थी लेकिन यह क्रम अभी भी बदस्तूर जारी है। माफियाओं की मुखबिरी इतनी सजग है कि उसे कार्यवाही का अंदेशा लगते ही रास्ता बदल देते हैं।